कामये दुरवतप्राणाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

आज़ादी का अमृत महोत्सव

जागृति

वर्ष:66 अंक-10 मुम्बई सितंबर 2022

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधान मंत्री

श्री नारायण तातु राणे
माननीय मंत्री, एमएसएमई

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा
माननीय राज्यमंत्री, एमएसएमई

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

कामये दुरवतप्राणाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष:66 अंक-10 मुम्बई सितंबर 2022

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा

कलाकार
दिलीप पालकर

उप संपादक
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार 03-32

- अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे आयोजित खादी उत्सव में माननीय प्रधानमंत्री ने भाग लिया.....3
- स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए, भारत की आजादी का अमृत महोत्सव, मुंबई में "तिरंगा यात्रा" का आयोजन.....8
- नई दिल्ली में तिरंगा यात्रा और हर घर तिरंगा अभियान मनाया.....10
- केवीआईसी ने स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ बड़े उत्साह के साथ मनायी.....11
- केवीआईसी ने मनाया 76वां स्वतंत्रता दिवस.....12
- मुंबई में "तिरंगा यात्रा" का आयोजन.....14
- आयोग के राज्य/मण्डलीय कार्यालयों में "तिरंगा यात्रा" का आयोजन.....17
- आयोग के अध्यक्ष द्वारा गुजरात की खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों की समीक्षा.....21
- केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा सूरत में "तापी फ्रूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड" का दौरा.....24
- मुख्य कार्यालय, मुंबई में आयोग की 690वीं बैठक संपन्न.....25
- उत्तर प्रदेश के प्रमुख खादी संस्थानों के साथ खादी संवाद.....26
- केवीआईसी का डबल बोनेन्जा.....27
- राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण.....28
- खादी के लिए उत्कृष्टता केंद्र.....29
- ई-कॉमर्स मार्केटिंग प्लेटफॉर्म.....31
- देहरादून व हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना का शुभारम्भ.....32
- उधमसिंह नगर में 30 दिवसीय ब्यूटीशियन प्रशिक्षण का समापन.....32

मीडिया कवरेज.....33-36

Khadi India

अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे आयोजित

खादी उत्सव में माननीय प्रधानमंत्री ने भाग लिया

"स्वतंत्रता संग्राम की तरह खादी भी विकसित और आत्मनिर्भर भारत के वादे को पूरा करने की प्रेरणा-स्रोत बन सकती है"

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे आयोजित खादी उत्सव में भाग लिया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, सांसद श्री सी आर पाटिल, राज्य मंत्री श्री हर्ष सांघवी और श्री जगदीश पांचाल, अहमदाबाद के मेयर श्री किरीटभाई परमार और केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने चरखे के साथ अपने व्यक्तिगत संबंध को याद किया और अपने बचपन को याद किया जब उनकी मां चरखा चलाती थी। उन्होंने कहा, "साबरमती का तट आज धन्य हो गया है क्योंकि स्वतंत्रता के 75 वर्ष के अवसर पर 7,500 बहनों और बेटियों ने एक साथ चरखे पर सूत कातकर इतिहास रच दिया है।" उन्होंने कहा कि चरखे पर कताई किसी पूजा से कम नहीं है।

प्रधानमंत्री ने 'अटल ब्रिज' की प्रौद्योगिकी और उत्कृष्ट डिजाइन का उल्लेख किया, जिसका आज उन्होंने उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह पुल श्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि है, जिन्हें गुजरात के लोग हमेशा प्यार और सम्मान देते थे। "अटल पुल न केवल साबरमती नदी के दो किनारों को जोड़ता है, बल्कि यह डिजाइन और नवाचार में भी अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा, इसके डिजाइन में गुजरात के प्रसिद्ध पतंग उत्सव को भी ध्यान में रखा गया है"। श्री मोदी ने भारत में हर घर तिरंगा अभियान के उत्साह का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यहां होने वाले उत्सव न केवल देशभक्ति की भावना को दर्शाते हैं बल्कि एक आधुनिक और विकसित भारत के संकल्प को भी दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, "आपके हाथ, चरखे पर सूत कातते हुए भारत का ताना-बाना बुन रहे हैं"।

प्रधानमंत्री ने कहा, "इतिहास गवाह है कि खादी का एक धागा स्वतंत्रता आंदोलन की ताकत बन गया, इसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ दिया।" उन्होंने आगे कहा कि खादी का वही धागा विकसित भारत और एक आत्मनिर्भर भारत के

सपने को पूरा करने का प्रेरणा-स्रोत बन सकता है। उन्होंने कहा, "खादी जैसी पारंपरिक ताकत हमें नई ऊंचाइयों पर ले जा सकती है"। उन्होंने कहा कि यह खादी उत्सव स्वतंत्रता आंदोलन की भावना और इतिहास को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास है और न्यू इंडिया के संकल्पों को हासिल करने के लिए एक प्रेरणा है।

उन्होंने अपने पंच-प्रणों को याद किया जो उन्होंने 15 अगस्त को लाल किले से घोषित किए थे। "इस पवित्र साबरमती के तट पर, मैं पंच-प्रणों को दोहराना चाहता हूं। पहला-देश के सामने महान लक्ष्य, एक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य। दूसरा- गुलामी की मानसिकता का पूर्ण परित्याग। तीसरा-अपनी विरासत पर गर्व करना, चौथा- राष्ट्र की एकता को बढ़ाने के लिए मजबूत प्रयास करना और पांचवां- नागरिक कर्तव्य। उन्होंने कहा कि आज का खादी उत्सव 'पंच प्रणों' का एक सुंदर प्रतिबिंब है।

आजादी के बाद की अवधि में खादी की उपेक्षा की प्रधानमंत्री ने काफी देर तक चर्चा

की। उन्होंने कहा, "स्वतंत्रता आंदोलन के समय जिस खादी को गांधी जी ने देश के स्वाभिमान का प्रतीक बनाया था, स्वतंत्रता के बाद उसी खादी को हीन भावना से भर दिया गया। इसके कारण खादी और उससे जुड़ा खादी ग्रामोद्योग पूरी तरह से नष्ट हो गया। खादी की यह स्थिति बेहद दर्दनाक थी, खासकर गुजरात के लिए।" वह इस बात से गौरवान्वित थे कि खादी को पुनर्जीवित करने का कार्य गुजरात की भूमि पर हुआ। प्रधानमंत्री ने सरकार की 'राष्ट्र के लिए खादी, फैशन के लिए खादी' के संकल्पों के साथ 'बदलाव के लिए खादी' के संकल्प को जोड़ने जोर दिया।

उन्होंने कहा "हमने पूरे देश में गुजरात की सफलता के अनुभवों को फैलाना शुरू कर दिया।" देश भर में खादी से संबंधित समस्याओं का समाधान किया गया। हमने देशवासियों को खादी उत्पादों को खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री ने खादी के पुनरुद्धार की प्रक्रिया में महिलाओं के योगदान को भी स्वीकार किया।

उन्होंने कहा, "भारत के खादी उद्योग की बढ़ती ताकत में महिला शक्ति का भी बड़ा योगदान है। हमारी बहनों और बेटियों में उद्यमिता की भावना निहित है। इसका प्रमाण गुजरात में सखी मंडलों का विस्तार है।" उन्होंने कहा कि पिछले 8 वर्षों में खादी की बिक्री में चार गुना वृद्धि हुई है और पहली बार खादी ग्रामोद्योग का कारोबार एक लाख करोड़ को पार कर गया। इस क्षेत्र ने 1.75 करोड़ नए रोजगार भी पैदा किए। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना जैसी वित्तीय समावेशन योजनाएं उद्यमिता को बढ़ावा दे रही हैं।

खादी के लाभ पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सस्टेनेबल क्लोदिंग, इकोफ्रेंडली क्लोदिंग का एक उदाहरण है और इसमें कार्बन फुटप्रिंट कम से कम होता है। ऐसे कई देश हैं जहां तापमान अधिक है, खादी स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए, खादी वैश्विक स्तर पर एक बड़ी भूमिका निभा सकती है। उन्होंने इसे वैश्विक स्तर पर बुनियादी और टिकाऊ जीवन जीने की बढ़ती प्रवृत्ति के अनुरूप कहा।

प्रधानमंत्री ने देश की जनता से अपील की है कि वह आने वाले त्योहारों में खादी ग्रामोद्योग में बने उत्पादों को ही उपहार में दें। प्रधानमंत्री ने कहा, " आप विभिन्न प्रकार के कपड़ों से बने परिधान ले सकते हैं लेकिन अगर आप उसमें खादी को स्थान देंगे, तो वोकल फॉर लोकल अभियान को गति मिलेगी।"

यह याद करते हुए कि पिछले दशकों में, भारत का अपना समृद्ध खिलौना उद्योग विदेशी खिलौनों की दौड़ में नष्ट हो रहा था, प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार के प्रयासों और खिलौना उद्योगों से जुड़े हमारे भाइयों और बहनों

की कड़ी मेहनत से स्थिति अब बदलनी शुरू हो गई है नतीजतन, खिलौनों के आयात में भारी गिरावट आई है।

प्रधानमंत्री ने लोगों से दूरदर्शन पर 'स्वराज' धारावाहिक देखने को भी कहा। यह धारावाहिक हमारे महान स्वाधीनता सेनानियों और उनके संघर्ष की कहानी विस्तार से बयां करता है। सभी परिवारों को यह श्रृंखला देखनी चाहिए ताकि उन्हें हमारी आजादी के लिए हमारे पूर्वजों के बलिदान की जानकारी मिल सके।

खादी उत्सव

प्रधानमंत्री का खादी को लोकप्रिय बनाने, खादी उत्पादों के बारे में जागरूकता पैदा करने और युवाओं के बीच खादी के उपयोग को बढ़ावा देने का निरंतर प्रयास रहा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों के परिणामस्वरूप, 2014 से, भारत में खादी की बिक्री में चार गुना वृद्धि हुई है, जबकि गुजरात में खादी की बिक्री में जबरदस्त आठ गुना वृद्धि हुई है।

आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित किए जा रहे अपने तरह के एक कार्यक्रम, खादी उत्सव का आयोजन स्वतंत्रता संग्राम के दौरान खादी और इसके महत्व को सम्मान देने के लिए किया जा रहा है। यह उत्सव अहमदाबाद के साबरमती नदी के किनारे आयोजित किया जा रहा है और इसमें गुजरात के विभिन्न जिलों की 7500 महिला कारीगर एक ही समय और एक ही स्थान पर चरखा कातती दिखाई देंगी।

इस कार्यक्रम में 1920 के दशक से उपयोग किए जाने वाली विभिन्न पीढ़ियों के 22 चरखों को प्रदर्शित करके "चरखे के विकास" को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी भी दिखाई देगी। इसमें "यरवदा चरखे" जैसा चरखा भी शामिल होगा जो स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस्तेमाल किए गए चरखों का प्रतीक है, साथ ही आज के नवीनतम नवाचारों और इस्तेमाल की जा रही प्रौद्योगिकी की झलक भी दिखाई देगी। पोंडुरु खादी के उत्पादन का एक लाइव प्रदर्शन भी किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने गुजरात राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के नये कार्यालय भवन और साबरमती नदी पर बने एक फुट-ओवर ब्रिज 'अटल ब्रिज' का भी उद्घाटन किया।

स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए, भारत की आजादी का अमृत महोत्सव

भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए, भारत की आजादी का अमृत महोत्सव भारत सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला है। जन-भागीदारी की भावना और इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास में महोत्सव को जन-उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है।

आजादी का अमृत महोत्सव की आधिकारिक यात्रा 12 मार्च 2021 को शुरू हुई, जिसने हमारी आजादी की 75वीं वर्षगांठ के लिए 75 सप्ताह की उलटी गिनती शुरू की और यह 15 अगस्त 2023 को एक साल बाद समाप्त होगी।

'हर घर तिरंगा', आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में ऐसे प्रमुख अभियानों में से एक है, जो लोगों को तिरंगा घर लाने और भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष को चिह्नित करने के लिए इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करता है। झंडे के साथ हमारा रिश्ता हमेशा व्यक्तिगत से ज्यादा औपचारिक और संस्थागत रहा है। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में एक राष्ट्र के रूप में सामूहिक रूप से ध्वज को घर लाना इस प्रकार न केवल तिरंगे से व्यक्तिगत संबंध का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्र-निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। इस पहल के पीछे का विचार लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने हमारे राष्ट्रीय ध्वज के लिए, जो आधिकारिक तौर पर खादी के कपड़े से बनाया गया है, केवीआईसी से संबद्ध सभी ध्वज निर्माण इकाइयों/संस्थानों को ध्वज की आपूर्ति के लिए दिशा-निर्देश दिए और पूरे अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

"हर घर तिरंगा अभियान" में आयोग ने न केवल झंडा बनाने का दायित्व निभाया, बल्कि देश भर में फैले अपने राज्य/मंडल/उप-कार्यालयों के माध्यम से 12 अगस्त 2022 से 15 अगस्त तक ध्वजारोहण के साथ-साथ तिरंगा रैलियों का आयोजन किया गया।

अगस्त, 2022 को "हर घर तिरंगा" कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माननीय अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार ने व्यक्तिगत रूप से इस पूरे अभियान के तहत ध्वज निर्माण और आपूर्ति का पर्यवेक्षण किया और केंद्रीय कार्यालय मुंबई, नई दिल्ली, वाराणसी जैसे शहरों के अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में ध्वज रैलियों का नेतृत्व किया। माननीय अध्यक्ष जी ने हर-घर तिरंगा अभियान की सफलता के लिए आयोग द्वारा किए जा सकने वाले कार्यों को संज्ञान में लेते हुए किसी भी स्तर पर आ रही दिक्कतों को दूर किया और झंडा निर्माण से जुड़े लोगों से बात कर उन्हें प्रेरित किया।

नई दिल्ली से हुई तिरंगा यात्रा और हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने नई दिल्ली में तिरंगा यात्रा और हर घर तिरंगा अभियान मनाया। इस अभियान का नेतृत्व केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे ने किया। इस यात्रा में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, विकास आयुक्त (एमएसएमई) कार्यालय, इसके क्षेत्रीय कार्यालयों, एनएसआईसी और केवीआईसी के अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री राणे ने सभी से स्वतंत्रता संग्राम में शामिल लोगों के बलिदानों और उन लोगों को याद करने का आह्वान किया जिनके हम अपने वर्तमान के लिए ऋणी हैं। उन्होंने कहा कि इस देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का सफल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए हमें समेकित और समन्वित तरीके से काम करने की जरूरत है।

केवीआईसी ने स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ बड़े उत्साह के साथ मनायी।

मुंबई में "तिरंगा यात्रा" का आयोजन

आयोग ने मनाया 76वां स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2022। मुंबई: 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने मुंबई में आयोग के परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

अपने मुख्य भाषण में श्री मनोज कुमार ने कहा, अमृत महोत्सव देशवासियों को एक सूत्र में बांधकर देशभक्ति की भावना को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, 'गांधी जी का मानना था कि देश तभी मजबूत होगा जब गांव मजबूत होंगे, आइए हम अपने अथक प्रयासों से गांधी जी के सपने को पूरा करने का संकल्प लेना चाहिए।' इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि सरकार द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से खादी को बढ़ावा देने के लिए इतना अधिक प्रयास किया गया है। उन्होंने अपने रेडियो कार्यक्रम "मन की बात" और अन्य प्रयासों में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों का उल्लेख किया।

श्री कुमार ने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग आर्थिक विकास पर फोकस कर खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र को मजबूत करेगा । उन्होंने कहा कि केवीआईसी एक बहुआयामी संगठन है जहां समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के साथ-साथ सभी वर्गों के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की जा रही हैं।

केवीआईसी के मुख्यालय, मुंबई में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे ऑर्केस्ट्रा, कठपुतली शो, कताई सूत की कहानी का मंचन और कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया।

खादी के उपयोग के बारे में जनता को प्रोत्साहित करने के लिए केवीआईसी ने चर्च गेट स्टेशन से मरीन ड्राइव तक "तिरंगा यात्रा" का आयोजन किया, जिसमें केवीआईसी के कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ हजारों खादी कारीगरों, खादी श्रमिकों ने भाग लिया। इससे पूर्व देश भर में केवीआईसी के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा 11 अगस्त से "तिरंगा यात्रा" का आयोजन किया जा चुका है।

मुंबई में "तिरंगा यात्रा" का आयोजन

मुंबई, 15 अगस्त, 2022:अपनी स्थापना के बाद से ही खादी और ग्रामोद्योग आयोग रोजगार सृजन के माध्यम से वित्तीय स्वावलंबन प्रदान कर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े वर्ग के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए अथक प्रयास कर रहा है। जैसा कि भारत, स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष पर "आजादी का अमृत महोत्सव" मना रहा है। खादी की सबसे शक्तिशाली अभिव्यक्ति सादगी है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सादगी के इस प्रतीक के साथ समाज में बदलाव की भावना के साथ यात्रा शुरू की है।

स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने आयोग के केंद्रीय कार्यालय परिसर में राष्ट्र ध्वज फहराया। इस अवसर पर अपने भाषण में श्री मनोज कुमार ने कहा कि अमृत महोत्सव देशवासियों को एक सूत्र में बांधकर देशभक्ति की भावना को मजबूत करेगा। गांधीजी का मानना था कि राष्ट्र तभी मजबूत होगा जब गांवों को मजबूत बनाया जाएगा, आइए हम अपने अथक प्रयासों से गांधीजी के

सपने को पूरा करने का संकल्प लें।इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है जब देश के प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों के माध्यम से खादी को बढ़ावा देने के लिए इतना प्रयास किया गया हो। उन्होंने माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के रेडियो कार्यक्रम "मन की बात" और अन्य प्रयासों का उल्लेख किया।

उन्होने आगे कहा कि "माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर जब राष्ट्र आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। महात्मा गांधी के कथन, कि भारत का भविष्य उसके गांवों में बसता है, राष्ट्र निर्माण में हमारे गांवों की ठोस सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था के योगदान को दर्शाता है। इन पचहत्तर वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग आयोग न केवल स्वतंत्रता आंदोलन में अपितु स्वतंत्रता के पश्चात खादी और ग्रामोद्योग के विकास मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि, माननीय प्रधानमंत्री जी का कहना है कि, जब हम खादी का कोई उत्पाद खरीदते हैं तो हम उन लाखों कत्तिन एवं बुनकरों के जीवन को प्रकाशमय बनाते हैं जो दिन रात मेहनत करते हैं। यह प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार की ग्रामीण भारत के प्रति वचनबद्धता और उसका प्रभाव है कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खादी के उत्पादों की स्वीकार्यता हाल के वर्षों में बढ़ी है। हमारा प्रयास रहेगा कि पिछले आठ वर्षों में आयोग की उपलब्धियों पर हम न केवल मजबूत बनाएं बल्कि उसे अगले स्तर पर ले जाएँ ताकि इन उत्पादों का वैश्विक बाजार में हिस्सा बढ़े।

आयोग के अध्यक्ष ने आगे कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित कर खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र को मजबूत बनाया है और केवीआईसी आगे भी इस पर ध्यान केंद्रित करता रहेगा। केवीआईसी एक बहुआयामी संगठन है जहां समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के साथ-साथ सभी वर्गों के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की जा रही हैं।

इसके पश्चात, केंद्रीय कार्यालय मुंबई में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे देश भक्ति संगीत ऑर्केस्ट्रा, कठपुतली शो, कताई यार्न पर कहानी और कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया।

स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष पर "आजादी का अमृत महोत्सव"

को खादी की सादगी के साथ जन चेतना एवं जनभागीदारी को सुनिश्चित करते हुए, केवीआईसी ने चर्च गेट स्टेशन से मरीन ड्राइव तक " तिरंगा रैली " का आयोजन किया, जिसमें हजारों की संख्या में खादी कारीगरों, खादी कार्यकर्ताओं के अलावा केवीआईसी के कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया।

इससे पहले केवीआईसी के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा देश भर में 11 अगस्त से तिरंगा रैलियों का आयोजन किया जा चुका है।वैश्विक मंचों पर खादी को प्रोत्साहित करने वाले खादी के सबसे बड़े ब्रांड एम्बेस्डर हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान के पर खादी की साख अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी है जिससे दुनिया भर में भारत के स्वदेशी उत्पादों की बढ़ती मांग के साथ, खादी पहले से ही "लोकल से ग्लोबल" और अब आत्मनिर्भरता का पर्याय बन गई है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग जो न केवल खादी को बढ़ावा देने का काम करता है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ग्रामोद्योगी उत्पादों को भी बढ़ावा दे रहा है।माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने वित्तीय वर्ष 2021- 2022 के दौरान 167.60 लाख रोजगार सृजित कर खादी इंडिया ने असाधारण लक्ष्य प्राप्त किया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पिछले 7 वर्षों में उल्लेखनीय विकास गति को कायम रखते हुए वर्ष 2021-22 में 115415.22 करोड़ रुपये की बिक्री हुई है, एवं पिछले 7 वर्षों में खादी की बिक्री में 188 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

आयोग के राज्य/मण्डलीय कार्यालयों में "तिरंगा यात्रा" का आयोजन

राज्य कार्यालय, दिल्ली

राज्य कार्यालय, महाराष्ट्र

राज्य कार्यालय, आंध्र प्रदेश - गरलाने खादी सिल्क सोसाइटी, धर्मावरम

राज्य कार्यालय, आंध्र प्रदेश स्वराज्य संघ, वेमुलापुडी, कारीगर रैली

राज्य कार्यालय, विजयवाड़ा प्री स्कूल के बच्चों के साथ

राज्य कार्यालय, गुजरात एसआरएस राजकोट रैली

राज्य कार्यालय, हरियाणा

राज्य कार्यालय,खादी संस्थाएं, दिल्ली

विभागीय कार्यालय, हुबली खादी संस्थाएं,

खादी ग्रामोद्योग भवन, एर्नाकुलम

खादी ग्रामोद्योग भवन, भोपाल

मंडलीय कार्यालय गोरखपुर रैली

मंडलीय कार्यालय गोरखपुर
निजामाबाद प्रखंड कुम्हारी स्फूर्ति क्लस्टर

राज्य कार्यालय,भोपाल रैली

सीबीआरटीआई, पुणे

राज्य कार्यालय, अरुणाचल प्रदेश, पापुम पारे

राज्य कार्यालय, इटानगर

राज्य कार्यालय, अगरतला

मंडलीय कार्यालय बीकानेर रैली

राज्य कार्यालय, जयपुर

मंडल कार्यालय मदुरै तूतीकोरिन सर्वोदय संघ

संभागीय कार्यालय मदुरै रैली

राज्य कार्यालय तेलंगाना पीएमईजीपी उद्यमी

राज्य कार्यालय, चेन्नई, मेट्रो स्टेशन पर

संभागीय कार्यालय मदुरै रैली

मंडलीय कार्यालय,गोरखपुर- कुशीनगर के स्कूली बच्चों द्वारा रैली

राज्य कार्यालय, लखनऊ

मंडलीय कार्यालय, मेरठ

स्कूली बच्चों के साथ मंडलीय कार्यालय, मेरठ रैली

राज्य कार्यालय, देहरादून

सीएसपी, सीहोर

राजस्थान संस्था संघ, जयपुर

स्वराज्य संघ, वेमुलापुडी

महाशक्ति खादी ग्रामोद्योग सेवा मंडल, सुरेंद्रनगर

राज्य कार्यालय, रायपुर

आयोग के अध्यक्ष द्वारा गुजरात की खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों की समीक्षा

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष द्वारा गुजरात की खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों की समीक्षा एवं आगामी होने वाले कार्यक्रमों के विषय में विस्तृत बैठक की।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र के कारीगरों, कत्तिनों एवं बुनकरों में अपनी प्रेरणामयी सोच एवं मार्गदर्शन से नई ऊर्जा का संचार किया है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर खादी के महत्व पर ज़ोर देते हुए खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन के मूलमंत्र द्वारा निरंतर खादी को अपनाने के आह्वान से खादी इंडिया को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है, जिसके फलस्वरूप विगत 7 वर्षों में खादी की बिक्री में 188 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

खादी क्षेत्र के सतत विकास को लेकर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष माननीय श्री मनोज कुमार जी ने व्यक्तिगत रूप से सघन दौरों से अपनी दायित्वों को पूरा करने का बीड़ा उठाया है इसी क्रम में आज केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार जी गुजरात के विभिन्न खादी संस्थानो का दौरा किया अपने प्रवास के दौरान गुजरात के विभिन्न जिलों की कई पीएमईजीपी इकाइयों, एवं खादी संस्थाओं का दौरा किया एवं आगामी होने वाले कार्यक्रमों के विषय में विस्तृत बैठक की। दौरे के दौरान माननीय अध्यक्ष महोदय ने खादी कारीगरों, कत्तिनों एवं उद्यमियों से बातचीत के दौरान खादी गतिविधियों के संचालन मे आ रही समस्याओं के बारे मे जानकारी ली तथा उन्हे दूर करने के लिए सुझाव भी लिए ताकि, भविष्य में होने वाले खादी ग्रामोद्योगी कार्यक्रमों के संचालन की रूप रेखा तैयार की जा सके।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 21 लाख रू की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है जिससे आज वे प्रतिमाह इस कारोबार से 8-10 लाख रु. का अर्जन कर पा रहे हैं।

दांडी की यात्रा : माननीय अध्यक्ष महोदय ने अपने सघन दौरे के दौरान दांडी मार्च स्थल का दौरा किया । यह प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थान नमक सत्यागृह आंदोलन के लिए विख्यात है।

दांडी यात्रा या नमक सत्याग्रह, महात्मा गांधी के नेतृत्व में औपनिवेशिक भारत में अहिंसक सविनय अवज्ञा का एक कार्य था। 12 मार्च 1930 से 6 अप्रैल 1930 तक चौबीस दिवसीय मार्च ब्रिटिश नमक एकाधिकार के खिलाफ कर प्रतिरोध और अहिंसक विरोध के प्रत्यक्ष कार्रवाई अभियान के रूप में चला। जब गांधी ने 6 अप्रैल 1930 को ब्रिटिश राज नमक कानूनों को तोड़ा, तो इसने लाखों भारतीयों द्वारा नमक कानूनों के खिलाफ बड़े पैमाने पर सविनय अवज्ञा का कार्य किया । इस अवसर पर श्री धीरूभाई ने माननीय अध्यक्ष का सूत माला से स्वागत किया।

पीएमईजीपी यूनिट का दौरा : माननीय अध्यक्ष ने 24 अगस्त , 2022 को सिलाई के तार और विशेष रूप से स्पेयर पार्ट्स, पीतल की सिलाई में काम करने वाले एडॉप्टर, प्लास्टिक सुतली, रबर शीट आदि के विनिर्माण में जुटी नौसेरा गुजरात की पीएमईजीपी इकाई हिनल मार्केटिंग, सिसौदरा का दौरा किया। इस इकाई को स्थापित करें वाले उद्यमी श्री अशोक भाई ने बताया कि केवल 4 माह पहले ही खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा क्रियान्वित

सुरुचि शिक्षण वशत ट्रस्ट, बारडोली का दौरा : माननीय अध्यक्ष ने अपने अगले पड़ाव पर बारडोली पहुंचे जहां उन्होने सुरुचि शिक्षण वर्षा ट्रस्ट जोकि केवीआईसी का एक स्फूर्ति क्लस्टर है के कार्यों की समीक्षा की। यह क्लस्टर खेती और बागवानी से संबंधित औजारों का विनिर्माण से जुड़े कार्यों जुड़ा हुआ है जिसका अधिकांश व्यापार स्थानीय स्तर पर ही हो जाता है जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिला है । यह क्लस्टर कार्पोरेट सोशल रिस्पोन्सिबिलिटी के तहत स्थानीय लोगो को खेती और बागवानी कार्यों में प्रशिक्षण भी प्रदान करता है

सूरत जिला खादी ग्रामोद्योग संस्थान का दौरा : अपने प्रदेश भ्रमण के दौरान माननीय अध्यक्ष ने सूरत जिला खादी ग्रामोद्योग संस्थान का भी दौरा किया और खादी संस्था के बिक्री आउटलेट का दौरा किया। यह खादी संस्था आयोग के ग्रामोद्योग कार्यक्रम के तहत एक बेकरी इकाई भी संचालित कर रही है और इस इकाई द्वारा पिछले वित्त वर्ष में 7 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की है।

अपने प्रवास के दौरान माननीय अध्यक्ष महोदय ने बारडोली स्थित सरदार पटेल हाउस (सरदार पटेल जी का घर) का दौरा किया जहां भारत के लौह पुरुष किसानों के साथ बैठा करते थे।

केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा सूरत में "तापी फ्रूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड" का दौरा

केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार ने 26 अगस्त, 2022 को अपनी पिपोदरा, सूरत यात्रा के दौरान "तापी फ्रूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड" का भी दौरा किया, जो कि केवीआईसी की आरईजीपी इकाई थी, जिसे 2004 में स्थापित किया गया था। तापी फ्रूड प्रारंभिक तौर पर 10 लाख रुपये निवेश के साथ स्थापित किया गया था और बाद में यह प्रा. लिमिटेड कंपनी बनी।

कंपनी जेली आधारित कन्फेक्शनरी उत्पादों का उत्पादन कर हजारों श्रमिकों को रोजगार प्रदान करती है और पुर्तगाल, जर्मनी, यूएसए आदि देशों को अपने उत्पाद निर्यात करती है।

आयोग के माननीय अध्यक्ष ने यूनिट की गतिविधियों का निरीक्षण किया और श्रमिकों और कारीगरों के साथ बातचीत की।

मुख्य कार्यालय, मुंबई में आयोग की 690वीं बैठक संपन्न

22 अगस्त, 2022 :आयोग की 690वीं बैठक मुख्य कार्यालय, मुंबई में संपन्न हुई, जिसमें उपलब्धियों के साथ भविष्य के योजनाओं पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत अभियान में केवीआईसी न केवल अपने उत्तरदायित्व को लेकर गंभीर है, बल्कि उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए तत्पर भी है।

24 अगस्त, 2022 : खादी की गुणवत्ता, उसकी सहायता से रोज़गार के नए अवसर की तलाश, उत्पादन की प्रक्रियाओं में तकनीक का प्रयोग और खादी के व्यापक प्रसार के लिए जागरूकता अभियान जैसे विभिन्न विषयों और भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर आयोग के माननीय अध्यक्ष महोदय श्री मनोज कुमार ने मुंबई स्थित मुख्यालय में खादी ग्रामोद्योग जगत से जुड़े अनेक विद्वान लोगों से विचार विमर्श किया।

उत्तर प्रदेश के प्रमुख खादी संस्थानों के साथ खादी संवाद

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माननीय अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार ने 04 अगस्त, 2022 को अपने दिल्ली कार्यालय के बैठक कक्ष में उत्तर प्रदेश की प्रमुख खादी एवं ग्रामोद्योग संस्थाओं के साथ खादी संवाद का आयोजन किया।

बैठक में आयोग के माननीय अध्यक्ष ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को महत्व देते हुए सभी को 'लोकल से ग्लोबल' बनाने के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिससे विदेशों में खादी ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन होगा। मांग बढ़ाने के लिए, और हमारे उत्पादों के निर्यात को और प्रोत्साहित करने के लिए, माननीय अध्यक्ष ने सभी को खादी के काम को बढ़ाने में सभी बाधाओं को दूर करने का आश्वासन दिया और खादी के उत्पादन को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।इसे प्राप्त करने के लिए सभी खादी संस्थानों को अपने अनुभवों का पूरा उपयोग करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

उन्होने कहा, 'हर घर तिरंगा' जैसा महत्वपूर्ण अभियान आज पूरे देश में समाया जा रहा है और इसमें आयोग की अहम भूमिका है। माननीय अध्यक्ष, केवीआईसी ने सभी खादी संस्थानों से इसमें बड़े पैमाने पर योगदान करने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि खादी ग्रामोद्योग ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जो देश के हर गांव और दूर-दराज के क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने में सक्षम है। इसलिए हमें प्रयास करना होगा कि किस प्रकार हम नए युवाओं, महिलाओं, बेरोजगारों को इस खादी कार्यक्रम के माध्यम से जोड़कर रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और देश को आत्मनिर्भर बना सकें।

खादी संवाद बैठक में आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (उत्तर क्षेत्र), मंडलीय कार्यालय, मेरठ के निदेशक और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

केवीआईसी का डबल बोनेन्जा

दिल्ली हाईकोर्ट ने चरखे के साथ "खादी" के ट्रेडमार्क को 'पहचाने जाने योग्य ट्रेडमार्क' माना

03 अगस्त 2022, दिल्ली : इस साल जुलाई में खादी एवम् ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। आयोग ने "खादी बॉय हेरिटेज" नाम के संगठन के खिलाफ मुआवजे और रोक की कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई थी। यह संगठन "खादी बॉय हेरिटेज" चिन्ह के साथ पीपीई किट, हैंड सेनेटाइजर और फायरबॉल बेच रहा था। कथित संगठन अपने उत्पादों पर केवीआईसी का 'चरखा' चिन्ह भी उपयोग कर रहा था।

भारतीय संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित केवीआईसी ने अपने जाने-माने ट्रेडमार्क 'खादी' और 'चरखे' पर दावा प्रस्तुत किया था, जो ट्रेडमार्क अधिनियम के कई वर्गों के तहत संगठन के नाम पर पंजीकृत हैं।

केवीआईसी का प्रतिनिधित्व फिड्स लॉ चैंबर्स से सुश्री श्वेताश्री मजूमदार और उनकी टीम कर रही थीं। उन्होंने सफलता के साथ कोर्ट में बताया कि कैसे केवीआईसी लंबे वक्त से खादी ट्रेडमार्क और चरखा के चिन्ह का इस्तेमाल कर रही है; टीम ने बताया कि कैसे भारत और विदेशों में इसका पंजीकरण है, घरेलू और निर्यात बाजार में कितनी मात्रा का व्यापारिक राजस्व है, ब्रॉन्ड की क्या साख है और टीम ने बताया कि कैसे कई मुकदमों में दिल्ली हाईकोर्ट ने उसके पक्ष में फैसला दिया, साथ ही डोमेन के नाम पर हुए विवाद में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन और 'इंडियन नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया' के प्रतिनिधियों ने भी केवीआईसी के पक्ष में फैसला दिया था।

दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस प्रतिभा सिंह ने 26 जुलाई, 2022 को दिए फैसले में कहा कि खादी और चरखा ट्रेडमार्क 'पहचाने जाने योग्य ट्रेडमार्क' हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह से 'खादी' का उपयोग, खासतौर पर स्वास्थ्य उत्पादों के मामले में गुणवत्ता को लेकर गहरी चिंताएं पैदा करता है, इसके अलावा केवीआईसी के अधिकारों का तो उल्लंघन करता ही है। कोर्ट ने 'डोमेन नेम रजिस्ट्रार' को संबंधित डोमेन को केवीआईसी के पक्ष में हस्तांतरित करने का आदेश दिया। इसके लिए एक हफ्ते का समय दिया गया है। गैर-परंपरागत तरीके से कोर्ट ने ट्रेडमार्क रजिस्ट्री को स्वत: संज्ञान लेते हुए 'खादी बाई हेरिटेज' द्वारा दर्ज किए गए सभी आवेदन रद्द करने का आदेश दिया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इस संबंध में प्रभावी आदेश को चार हफ्तों के भीतर ट्रेडमार्क रजिस्ट्री के पोर्टल पर प्रदर्शित करना होगा।

कोर्ट ने यह भी कहा कि संस्थान ने अपनी वेबसाइट और दूसरे ऑनलाइन माध्यमों पर 'खादी' चिन्ह का गलत इस्तेमाल अपने उत्पादों का प्रचार करने के लिए किया है और केवीआईसी के चिन्ह का इस तरीके का गलत इस्तेमाल बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। केवीआईसी के अधिकारों को मानते हुए कोर्ट ने 10 लाख रुपये का मुआवजा और 2 लाख रुपये की कीमत, केवीआईसी को चुकाए जाने का आदेश भी दिया है।

इसी दिन कोर्ट ने केवीआईसी द्वारा खादी

(शेष पृष्ठ 31 पर)

राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण

दिल्ली, जुलाई 2022: गृह मंत्रालय ने अपने आदेश दिनांक 30.12.2021 के माध्यम से भारत के ध्वज संहिता, 2002 में संशोधन किया है। पॉलिएस्टर से बने राष्ट्रीय ध्वज या मशीन से बने झंडों को अनुमति दी गई है। अब, भारत का राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काता और हाथ से बुने हुए या मशीन से बने, कपास/पॉलिएस्टर/ऊन/रेशम खादी बंटिंग से बना होगा। संशोधन आदेश संख्या 02/01/2020-सार्वजनिक (भाग-III) दिनांक 30.12.2021 और अद्यतन भारतीय ध्वज संहिता, 2002 गृह मंत्रालय की वेबसाइट www.mha.gov.in पर उपलब्ध हैं।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

04 अगस्त 2022, दिल्ली :भारत सरकार, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) के माध्यम से, NIFT दिल्ली (हब केंद्र) में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (NIFT), नई दिल्ली के तकनीकी सहयोग से खादी के लिए उत्कृष्टता केंद्र (CoEK) की स्थापना कर रही है। और गांधीनगर, कोलकाता, शिलांग और बेंगलुरु में इसके चार प्रवक्ता, खादी संस्थानों को भारतीय और वैश्विक बाजार में उच्च गुणवत्ता वाले विभेदित खादी उत्पादों को प्रभावी ढंग से डिजाइन, उत्पादन और विपणन करने में मदद करने के लिए। परियोजना के तहत, सीओईके ने खादी के लिए एक ज्ञान पोर्टल बनाया है जिसमें प्रतिकृति के लिए खादी संस्थानों द्वारा देखने के लिए स्केच के साथ डिजाइन और विनिर्देश अपलोड किए जाते हैं।

परियोजना के उद्देश्य हैं:

- मौसम-वार रंग पूर्वानुमान/फैशन प्रवृत्तियों के आधार पर नए कपड़े/उत्पादों का निर्माण।
- उच्च अंत घरेलू और वैश्विक बाजार के लिए खादी के कपड़े और कपड़ों के लिए गुणवत्ता मानकों का प्रसार करना।
- नए खादी के कपड़े और उत्पादों के बारे में दिलचस्प कथाएँ बनाकर ब्रांडिंग और प्रचार।
- नए खादी उत्पादों के लिए विजुअल मर्चेंडाइजिंग और पैकेजिंग बनाएं।
- खादी फैशन शो और प्रदर्शनियों का आयोजन या भाग लेकर खादी की वैश्विक पहुंच बढ़ाएं।
- देश भर में काम कर रहे खादी संस्थानों को मजबूत करने के लिए सीओईके के तहत किए गए उपायों का विवरण अनुबंध पर है।
- खादी के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए मंत्रालय ने 20.00 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है, जिसमें से रु. 15.00 करोड़ जारी किया गया है।

अनुलग्नक

देश भर में काम कर रहे खादी संस्थानों को मजबूत करने के लिए CoEK के तहत किए गए उपायों का विवरण इस प्रकार है:

- CoEK टीमों ने कताई, बुनाई, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, बिक्री, विपणन आदि की उनकी प्रक्रियाओं को समझने के लिए 20 से अधिक खादी संस्थानों का दौरा करके विस्तृत नैदानिक रिपोर्ट की। अंतराल की पहचान की गई और अद्वितीय बिक्री प्रस्ताव, साथ ही साथ की क्षमता केआई को समझा गया था।
- परियोजना के जनादेश को ध्यान में रखते हुए, टीम ने केआई के शेयरों में मौजूदा कपड़ों का चयन करके डिजाइन प्रक्रिया शुरू की और, उनके उद्योग के अनुभव के आधार पर, वजन, ड्रेप और रंगों को ध्यान में रखते हुए युवा ग्राहकों के लिए डिजाइन करने का निर्णय लिया। CoEK की डिज़ाइन टीम ने बाज़ार के रुझानों का विश्लेषण करने के लिए पूर्वानुमान, बाज़ार सर्वेक्षण, ब्रांड अध्ययन और सिल्हूट युक्तिकरण पर गहन शोध किया। प्रत्येक टीम ने अपने डिजाइन संक्षिप्त को अंतिम रूप देने से पहले अपने शोध, विषयों, डिजाइनों और सिल्हूटों पर विचार-विमर्श किया और प्रस्तुत किया, जिसने लक्षित ग्राहकों, आयु समूह और रूप को परिभाषित किया। केआई की क्षमता को ध्यान में रखते हुए संग्रह की योजना बनाई गई थी। इस प्रक्रिया में रेखाचित्र, परीक्षण फिट, पुनरावृत्ति और अंत में, नमूनाकरण

शामिल था। नमूनों को मंजूरी मिलने के बाद, केआई के साथ साझा करने के लिए विनिर्देश और लागत पत्रक तैयार किए गए थे।

- सीओईके की टीम ने आठ संग्रह तैयार किए, जिनमें 48 पहनावा, घरेलू फैशन के 4 संग्रह (36 उत्पाद), यार्डेज के लिए 91 डिजाइन और छह महीने की अवधि में 24 साड़ियां शामिल हैं।
- CoEK ने डिज़ाइनों को प्रदर्शित करने और संग्रह पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (NIFT), न्यू मोती बाग और CAG कार्यालय में आयोजित फैशन शो में भाग लिया है।
- संस्कृति मंत्रालय द्वारा निफ्ट के सहयोग से एक इन्फ्लुएंसर मीट का आयोजन किया गया था, जिसमें प्रसिद्ध उद्योग हितधारकों जैसे सामग्री निर्माता, डिजाइनर और स्टाइलिस्ट को आमंत्रित किया गया था। सीओईके ने प्रतिभागियों के लिए एक हाथ कताई कार्यशाला और प्रदर्शन का आयोजन किया, खादी का अनुभव देने के लिए एक त्वरित रन वे वॉक। निदेशक-सीओईके द्वारा 'खादी- एक कपड़ा जिसने भारत की स्वतंत्रता को बुना था' शीर्षक से एक पैनल चर्चा का संचालन किया, जिसमें डिजाइनरों ने भाग लिया।
- CoEK ने 21 जून, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर खादी की बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए पान पीढ़ी के उपभोक्ताओं के लिए खादी में 'स्वधा' कल्याण संग्रह की शुरुआत की।
- परिधान, घर और साड़ियों के सभी 8 संग्रहों को डिज़ाइन कैटलॉग/लुक बुक्स के रूप में प्रलेखित किया गया है, और चयनित केआई के साथ ऑनलाइन साझा किया गया है। डिजाइन के उत्पादन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए केआई से संपर्क किया गया है। CoEK टीम ने प्रक्रिया के दौरान समस्या निवारण द्वारा उत्पादन में हाथ बंटाने की पेशकश की है।
- परियोजना के तहत, सीओईके टीम ने खादी के लिए एक ज्ञान पोर्टल बनाया है जिसे 14.07.2022 को लॉन्च किया गया था, जिसमें खादी संस्थानों के लिए रंग, प्रवृत्तियों, सिल्हूट, प्रिंट, बुनाई और कढ़ाई विचारों के लिए डिजाइन निर्देश और पूर्वानुमान प्रस्तुत किए गए हैं। प्रतिकृति के लिए हितधारकों द्वारा देखने के लिए पोर्टल पर आकार चार्ट भी साझा किए जाते हैं।
- 5 खादी संस्थानों में 5एस कार्यान्वयन का आयोजन किया गया। यह जापानी काइज़न तकनीक पर आधारित है जिसमें प्रभावी और संगठित उत्पादन करने के लिए सूची और कार्यक्षेत्र को छाँटा जाता है।
- दो केआई में गुणवत्ता मानकों, दोषों की पहचान और वारिस सुधार और कपड़े काटने की प्रभावी तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
- एनईआर में प्राकृतिक रंगाई कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं।

चुलु, अरुणाचल प्रदेश की महिला बुनकरों को बुनाई और प्राकृतिक रंगाई में दो महीने का प्रशिक्षण दिया गया। वे अब घरेलू उत्पादों की बुनाई के लिए पूरी तरह से प्रशिक्षित हैं।

यह जानकारी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

ई–कॉमर्स मार्केटिंग प्लेटफॉर्म

04 अगस्त, 2022 दिल्ली: राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के तहत एक सार्वजनिक उपक्रम, एमएसएमई ग्लोबल मार्ट वेब पोर्टल के माध्यम से देश भर में एमएसएमई को अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए ई-मार्केटिंग सेवा की सुविधा प्रदान करता है। पोर्टल की मुख्य विशेषताओं में ऑनलाइन पंजीकरण, वेब स्टोर प्रबंधन, उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन, कीवर्ड आधारित निविदा अलर्ट, व्यापार व्यापार लीड, अनुबंध की जानकारी प्रदान करना आदि शामिल हैं। इसके अलावा, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), एक सांविधिक निकाय है। , इस मंत्रालय के तहत अपने हितधारकों के लिए ऑनलाइन विपणन सुविधाओं का समर्थन करने के लिए 'ekhadiindia.com' नामक एक ई-कॉमर्स पोर्टल की स्थापना की। यह पोर्टल केवीआई सूक्ष्म व्यवसायों के लिए नए रास्ते खोलता है और एक व्यवसाय को अपने ग्राहकों तक विस्तृत तरीके से पहुंचने की अनुमति देता है। वेबसाइट, ईमेल, लाइव चैट, ब्लॉग, फ़ोरम आदि।

MSME क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए, MSME मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू करता है, जैसे कि प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP), पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए फंड की योजना (SFURTI), नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक योजना, ग्रामीण उद्योग और उद्यमिता (ASPIRE) सूक्ष्म और लघु उद्यमों (सीजीटीएमएसई), सूक्ष्म और लघु उद्यम क्लस्टर विकास कार्यक्रम (एमएसई-सीडीपी), उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी), आदि के लिए क्रेडिट गारंटी योजना।

यह जानकारी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। ■■

(पृष्ठ..27 से आगे)

डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (केडीसीआई) के खिलाफ लगाए गए मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि खादी ट्रेडमार्क और चरखा चिन्ह पहचाने जाने योग्य ट्रेडमार्क हैं और इनका गलत इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। केडीआईसी मिस एंड मिसिज इंडिया खादी नाम से कार्यक्रम भी करवा रही थी। संस्थान के संस्थापक अंकुश अनामी के कृत्यों पर कठोर प्रतिक्रिया जारी करते हुए कोर्ट ने उनके खिलाफ अवमानना का नोटिस जारी किया है। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि केवीआईसी के लिए, प्राथमिक तौर पर वकील ने जो सामग्री उपलब्ध कराई है, उससे पता चलता है कि रोकथाम आदेश अपने खिलाफ पास होने के बावजूद केडीसीआई खादी ट्रेडमार्क का इस्तेमाल करते हुए मंत्रालयों और राज्य सरकारों के साथ संपर्क कर रहा था।

इन घटनाक्रमों पर टिप्पणी करते हुए केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा, "हमें खुशी है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने खादी ट्रेडमार्क का गलत इस्तेमाल करने वालों को कड़ा संदेश दिया है। यह एक कीमती ब्रॉन्ड है और हम किसी तीसरे शरारती पक्ष को इसका आर्थिक लाभ नहीं उठाने देंगे। खादी ट्रेडमार्क को पहचाने जाने योग्य ट्रेडमार्क का दर्जा दिए जाने की घोषणा हमारे लिए गर्व की बात है।" ■■

देहरादून व हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना का शुभारम्भ

देहरादून: रेलवे बोर्ड द्वारा वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में घोषित ''एक स्टेशन एक उत्पाद'' योजना (ओएस–ओपी) के कार्यान्वयन के सन्दर्भ में ''हर घर तिरंगा'' और अमृत महोत्सव को दृष्टिगत रखते हुए, राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून (उत्तराखण्ड) द्वारा आज दिनांक 07.08.2022 को रेलवे स्टेशन–देहरादून एवं हरिद्वार में कियोस्क/स्टाल का शुभारम्भ किया गया। रेलवे स्टेशन-हरिद्वार में मनसा खादी ग्रामोद्योग आश्रम, ग्राम कान्हेवाली, पो-रायसी, जिला–हरिद्वार –एवं रेलवे स्टेशन –देहरादून में श्री आनन्द ग्रामोद्योग समिति, मेहूवाला माफी, शिमला रोड, देहरादून के द्वारा खादी ग्रामोद्योगी उत्पादों की कियोस्क/स्टाल लगाकर बिक्री जा रही है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित कुम्हार कारीगरों को चाक वितरित किये गये थे, उनके द्वारा आज दिनांक 07.8.2022 को रेलवे स्टेशन-हरिद्वार को 20,000 कुल्हड की आपूर्ति चाय परोसने हेतु की गई है तथा साथ ही 10,000 कुल्हड रेलवे स्टेशन-रूडकी आपूर्ति करने हेतु प्रस्तावित है। इससे कुम्हार कारीगरों को रोजगार मिलेगा एवं पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मद्द मिलेगी।

इस अवसर पर उक्त कार्यक्रमों में राज्य निदेशक प्रभारी, श्री राम नारायण, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून एवं रेलवे स्टेशन देहरादून में श्री एस के अग्रवाल, सी एम ई तथा रेलवे स्टेशन हरिद्वार में श्री बी. एस. रावत, सी. एम. आई. एवं संस्थाओं की प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उधमसिंह नगर में 30 दिवसीय ब्यूटीशियन प्रशिक्षण का समापन

उधमसिंह नगर : विभागीय बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र, खादी और ग्रामोद्योग आयोग , सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, हल्द्वानी ने उधमसिंह नगर के ग्राम-नंगला जनपद में महिलाओं के लिए 30 दिनों के ब्यूटीशियन प्रशिक्षण का समापन किया। यह प्रशिक्षण दिनांक 1 जुलाई, २०२२ को आरम्भ किया गया था, जिसमे 21 महिलाओं ने भाग लिया।

इस पाठ्यक्रम के दौरान सुश्री कमला बोहरा, बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र, हल्द्वानी सहायक के रूप में उपस्थित रही। वहीं वरिष्ठ कार्यकारी समन्वयक हरीश चंद और ममता पंत गेस्ट फैकल्टी ने ब्यूटीशियन कोर्स का प्रशिक्षण दिया।

गौरतलब है कि ये सभी प्रशिक्षित ब्यूटीशियन खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (भारत सरकार), की प्रमुख स्वरोजगार उन्मुख कार्यक्रम- "प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम" (पीएमईजीपी) के तहत ऋण प्राप्त कर सकते हैं।

बता दें की, पीएमईजीपी भारत सरकार समर्थित क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी योजना है। इस योजना के तहत महिला लाभार्थी परियोजना लागत का 25-35 प्रतिशत अनुदान ग्रामीण -शहरी क्षेत्र के लिए प्राप्त कर सकती हैं।

प्रेस कवरेज़

TIMES CITY

No power can stop khadi's global march: PM

Says Top Fashion Brands Eager To Adopt Khadi

KHADI UTSAV

SOARING STEEL BRIDGE THAT CONNECTS THE CITY

'Bridge is people's tribute to Vajpayee'

दैनिक भास्कर समूह | 3 भाषाएं | 12 राज्य | 61 संस्करण

dainikbhaskar.com

प्रधानमंत्री मोदी ने 7,500 खादी कारीगर महिलाओं के साथ चरखा चलाया...

अहमदाबाद | पीएम नरेंद्र मोदी दो दिवसीय गुजरात यात्रा पर हैं। वे साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित 'खादी उत्सव' में शामिल हुए। उन्होंने 7,500 महिलाओं के साथ चरखा भी चलाया। इतनी महिला कारीगरों का एक साथ चरखा चलाने का यह एक कीर्तिमान है। मोदी ने साबरमती पर फुटओवर 'अटल ब्रिज' का लोकार्पण भी किया।

9

No force can stop khadi from going local to global: PM

The PM was speaking on the banks of the Sabarmati, where 7,500 women spun the 'charkha' to mark the 75th year of independence

TIMES NEWS NETWORK

Ahmedabad: Making a fervent pitch for promoting and embracing khadi, Prime Minister Narendra Modi said in Ahmedabad on Saturday that no power can stop khadi from going global.

He was speaking at 'Khadi Utsav' on the banks of the Sabarmati river, where a record was created of 7,500 women simultaneously spinning the 'charkha' to mark the 75th year of India's ... across the country. "Post 2014, we removed all obstacles in promotion of khadi in the country. Today, top fashion brands are eager to adopt khadi and there is a record growth in khadi sales. The turnover of KVIC has crossed Rs one lakh crore," the PM remarked, adding that 1.75 crore new jobs have been created in the sector.

Reminiscing his childhood when his mother used to work on the charkha, the PM said, "The bank of Sabarmati has become blessed

---

ગુજરાત

ખાદીને હવે લોકલથી ગ્લોબલ બનતા કોઈ રોકી નહીં શકે

ખાદી ફોર ફેશન, ખાદી ફોર નેશન, ખાદી ફોર ટ્રાન્સફોર્મેશન : મોદી

प्रेस कवरेज़

खादी ग्रामोद्योग ने मनाया आजादी का पर्व

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आयोग के केंद्रीय कार्यालय परिसर में राष्ट्र ध्वज फहराया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अमृत महोत्सव देशवासियों को एक सूत्र में बांधकर देशभक्ति की भावना को मजबूत कर रहा है. उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है जब देश के प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों के माध्यम से खादी को बढ़ावा देने के लिए इतना प्रयास किया गया. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' और अन्य प्रयासों का उल्लेख किया.

केवीआईसी ने स्वतंत्रता दिवस मनाया

एजेंसी,नवज्योति/मुंबई। अपनी स्थापना के बाद से ही खादी और ग्रामोद्योग आयोग रोजगार सृजन के माध्यम से वित्तीय स्वावलंबन प्रदान कर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े वर्ग के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए अथक प्रयास कर रहा है। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आयोग के केंद्रीय कार्यालय परिसर में राष्ट्र ध्वज फहराया और मनोज कुमार ने कहा कि अमृत महोत्सव देशवासियों को एक सूत्र में बांधकर देशभक्ति की भावना को मजबूत करेगा। गांधीजी का मानना था कि राष्ट्र तभी मजबूत होगा जब गांवों को मजबूत बनाया जाएगा, आइए हम अपने अथक प्रयासों से गांधीजी के सपने को पूरा करने का संकल्प लें।

केवीआईसी ने स्वतंत्रता दिवस को धूमधाम से मनाया

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष द्वारा गुजरात की खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों की समीक्षा

माननीय प्रधानमंत्री जी ने खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र के कारीगरों, कत्तिनों एवं बुनकरों में अपनी प्रेरणामयी सोच एवं मार्गदर्शन से नई ऊर्जा का संचार किया है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर खादी के महत्व पर जोर देते हुए खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन के मूलमंत्र द्वारा निरंतर खादी को अपनाने के आह्वान से खादी इंडिया को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है, जिसके फलस्वरूप विगत 7 वर्षों में खादी की बिक्री में 188 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

खादी क्षेत्र के सतत विकास को लेकर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष माननीय श्री मनोज कुमार जी ने व्यक्तिगत रूप से सघन दौरों से अपनी दायित्वों को पूरा करने का बीड़ा उठाया है इसी क्रम में आज केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार जी गुजरात के विभिन्न खादी संस्थानों का दौरा किया अपने प्रवास के दौरान गुजरात के विभिन्न जिलों की कई पीएमईजीपी इकाइयाँ, एवं खादी संस्थाओं का दौरा किया ।

૧૮ ગુજરાત સમાચાર (અમદાવાદ આવૃત્તિ)

બે દિવસના ગુજરાત પ્રવાસે આવતા PM

મોદી આજે અમદાવાદમાં ખાદી ઉત્સવ, ફૂટ બ્રિજનું ઉદ્‌ઘાટન કરશે

ચરખા કાંતતી ૭૫૦૦ મહિલા, ખાદી કારીગરો એકજ સ્થળે હાજર રહેશે

प्रेस कवरेज़

खादी और ग्रामोद्‌योग आयोग के अध्यक्ष द्वारा गुजरात की खादी गतिविधियों की समीक्षा

मुंबई: प्रधानमंत्री जी ने खादी और ग्रामोद्‌योगी क्षेत्र के कारीगरो, कत्तिनो एवं बुनकरो मे अपनी प्रेरणामयी सोच एवं मार्गदर्शन से नई ऊर्जा का संचार किया है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर खादी के महत्व पर ज़ोर देते हुए खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन के मूलमंत्र द्वारा निरंतर खादी को अपनाने के आह्वान से खादी इंडिया को नई ऊँचाइयो पर पहुँचाया है, जिसके फलस्वरूप विगत 7 वर्षों मे खादी की बिक्री में 188 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

खादी क्षेत्र के सतत विकास को लेकर खादी और ग्रामोद्‌योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने व्यक्तिगत रूप से सघन दौरो से अपनी दायित्वो को पूरा करने का बीड़ा उठाया है इसी क्रम मे आज मनोज कुमार ने गुजरात के विभिन्न खादी संस्थानो का दौरा किया अपने प्रवास के दौरान गुजरात के विभिन्न जिलों की कई पीएमईजीपी इकाइयो, एवं खादी संस्थाओ का दौरा किया एवं आगामी होने वाले कार्यक्रमो के विषय मे विस्तृत बैठक की। दौरे के दौरान माननीय अध्यक्ष महोदय ने खादी कारीगरो, कत्तिनो एवं उद्‌यमियो से बातचीत के दौरान खादी गतिविधियो के संचालन मे आ रही समस्याओ के बारे मे जानकारी ली तथा उन्हे दूर करने के लिए सुझाव भी लिए ताकि, भविष्य मे होने वाले खादी ग्रामोद्‌योगी कार्यक्रमो के संचालन की रूप रेखा तैयार की जा सके। अध्यक्ष ने अपने सघन दौरे के दौरान दांडी मार्च स्थल का दौरा किया। यह प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थान नमक सत्याग्रह आंदोलन के लिए विख्यात है।

अध्यक्ष ने अपने अगले पड़ाव पर बारडोली पहुंचे जहां उन्होंने सुरुचि शिक्षण वर्धा ट्रस्ट जोकि केवीआईसी का एक स्फूर्ति क्लस्टर है के कार्यों की समीक्षा की। अध्यक्ष ने सूरत जिला खादी ग्रामोद्‌योग संस्थान का भी दौरा किया और खादी संस्था के बिक्री आउटलेट का दौरा किया। अपने प्रवास के दौरान अध्यक्ष ने बारडोली स्थित सरदार पटेल हाउस (सरदार पटेल जी का घर) का दौरा किया जहां भारत के लौह पुरुष किसानो के साथ बैठा करते थे।

केवीआईसी के अध्यक्ष का दौरा

खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों की समीक्षा

अहमदाबाद @ पत्रिका. खादी व ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने गुजरात के विभिन्न खादी संस्थानों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गुजरात के कई जिलों की पीएमईजीपी इकाइयों एवं खादी संस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने खादी कारीगरों एवं उद्यमियों से के संचालन मे आ रही समस्याओं के बारे मे जानकारी ली तथा उन्हें दूर करने के लिए सुझाव भी लिए, जिससे भविष्य में होने वाले खादी ग्रामोद्योग कार्यक्रमों के संचालन की रूपरेखा तैयार की जा सके। केवीआईसी अध्यक्ष ने दांडी मार्च स्थल का दौरा किया। वे सूरत जिला

केवीआईसी ने स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया

मुंबई (प्रतिनिधि), अपनी स्थापना के बाद से ही खादी और ग्रामोद्योग आयोग रोजगार सृजन के माध्यम से वित्तीय स्वावलंबन प्रदान कर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े वर्ग के उत्थान

और सशक्तिकरण के लिए अथक प्रयास कर रहा है। जैसा कि भारत स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। खादी की सबसे शक्तिशाली अभिव्यक्ति सादगी है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सादगी के इस प्रतीक के साथ समाज में बदलाव की भावना के साथ यात्रा शुरू की है। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आयोग के केंद्रीय कार्यालय परिसर में राष्ट्र ध्वज फहराया और इस अवसर पर अपने भाषण में मनोज कुमार ने कहा कि अमृत महोत्सव देशवासियों को एक सूत्र में बांधकर देशभक्ति की भावना को मजबूत करेगा ... खादी और ग्रा... स्वतंत्रता आंदो... के पश्चात ख... विकास में मह... है। आयोग के... प्रधानमंत्री जी... हम खादी का... हैं तो हम उ... बुनकरों के... बनाते हैं, जो... हैं। केवीआ... संगठन है जा... पंक्ति में खड़े... सभी वर्गों के... योजनाएं लागू...

केवीआईसी ने निकाली 'तिरंगा यात्रा'

प्रात:काल संवाददाता

मुंबई। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आयोग के केंद्रीय कार्यालय परिसर में राष्ट्रध्वज फहराया और कहा कि अमृत महोत्सव देशवासियों को एक सूत्र में बांधकर देशभक्ति की भावना को मजबूत करेगा।

उन्होंने कहा कि इन 75 वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने खादी और ग्रामोद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आगे कहा कि आयोग ने आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित कर खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र को मजबूत बनाया है और आगे भी इस पर ध्यान केंद्रित करता रहेगा। इसके पश्चात, केंद्रीय कार्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे देश भक्ति संगीत ऑर्केस्ट्रा, कठपुतली शो, कताई यार्न पर कहानी और कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा चर्चगेट स्टेशन से मरीन ड्राइव तक तिरंगा रैली का आयोजन किया, जिसमें खादी कारीगरों, खादी कार्यकर्ताओं के अलावा केवीआईसी के कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया।

सत्यमेव जयते

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises,
Government of India.

Khadi India

हस्तनिर्मित

स्विट्ज़रलैंड से पेन और घड़ियाँ,
फ्रांस से चमड़े के जूते,
इटली से पर्स व बटुए और
मिस्त्र से कॉटन वस्त्र.

आप इन विदेशी वस्तुओं के लिए हजारों खर्च करते हैं और खरीदते हैं,
और जब भारतीय हस्तशिल्प खरीदने की बात आती है, आप संकोच करते हैं !

इस अवसर पर

अपने शहर के किसी खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

क्यों विदेशी हाथों को भुगतान करें ?
भारत की आत्मीयता को महसूस करें

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
वेबसाइट : www.kvic.org.in

KVIC ARTWING 2018

https://www.msme.gov.in | Follow us on minmsme @minmsme | Website: www.kvic.org.in | Follow us on kvicindia @kvicindia